
आलस्य और अलबेलापन - 2

➤➤ अलबेलापन

➤➤ _ ➤➤ स्वयं से प्रश्न पूछिए...

→ आप ज्ञान में किसलिए आये थे ?

➤➤ _ ➤➤ अक्सर दूसरों को देख अलबेलापन आता है

→ खुद को बदलने आये थे या दूसरों को बदलने के लिए आये थे ?

→ हमें गुणग्राही बनना है, अवगुण ग्राही नहीं

→ यह बुधीमानी नहीं की एक ने ठोकर खायी तो हम भी उसे देखकर ठोकर खाएं

→ अगर एक ने आग में हाथ डाला और और उसका हाथ अगर जल गया तो यह Trial करने की आवश्यकता नहीं की आपका हाथ जलेगा या नहीं ?

→ Wisest Persons Learn From The Experiences Of Self and Others....

➤➤ 7 बातें जो छोडनी है

➤➤ _ ➤➤ काम , क्रोध , लोभ , मोह, अहंकार

➤➤ _ ➤➤ **आलस्य और अलबेलापन**

➤➤ _ ➤➤ **भय**

→ शक्तियों का मुख्य गुण है :- **“निर्भय”** ... *शक्तियों को हमेशा शेर के ऊपर सवार दिखाया जाता है*

➤➤ 7 बातें जो धारण करनी है

➤➤ _ ➤➤ **स्वरूप**

→ मैं कौन ?

➤➤ _ ➤➤ **स्वधर्म**

→ शान्ति

➤➤ _ ➤➤ **स्वदेश**

→ हम अभी पराये देश , पराई दुनिया , पराये तन में हैं

→ हम यहाँ मुसाफिर हैं

➤➤ _ ➤➤ **स्व लक्ष्य**

→ क्या लक्ष्य है मेरा ?

➤➤ _ ➤➤ **स्व लक्षण**

→ क्या लक्षण धारण कर रहा हूँ मैं ?

➤➤ _ ➤➤ **स्व दर्शन**

→ चक्र को घुमाना

➤ ➤ ➤ सुकर्म

→ त्रिकालदर्शी बनकर

➤ ➤ हमारी अवस्था की परख कब होती है ?

➤ ➤ ➤ खुद की बीमारी में / खुद के शरीर की मृत्यु को सामने देखकर

➤ ➤ ➤ दूसरों की बीमारी / मृत्यु में

➤ ➤ सम्पूर्ण बनना है

➤ ➤ ➤ परिस्थितियों / विघनो के बीच रहकर ही

➤ ➤ ➤ विरोधियों के बीच रहकर ही

➤ ➤ ➤ सेवाओं के विस्तार के बीच रहकर ही

➤ ➤ ➤ Always Rememeber

→ Best Time Is Now

→ You Are Surrounded By Best Of People / Situations

→ You Are Working In Best Of Department
